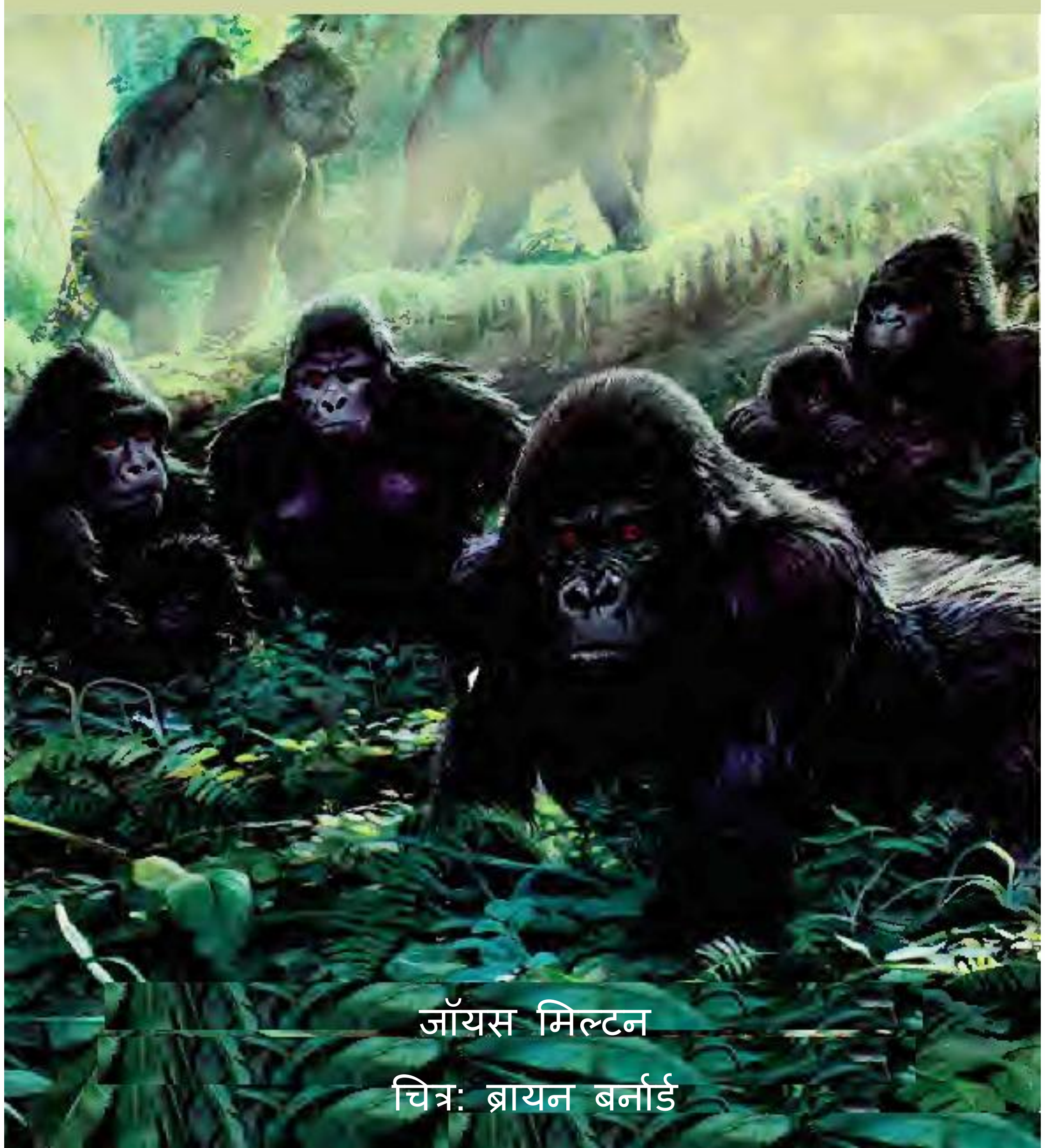
गोरिल्ले

जंगल के सौम्य दानव



जॉयस मिल्टन

चित्र: ब्रायन बर्नार्ड



गोरिल्ले

जंगल के सौम्य दानव

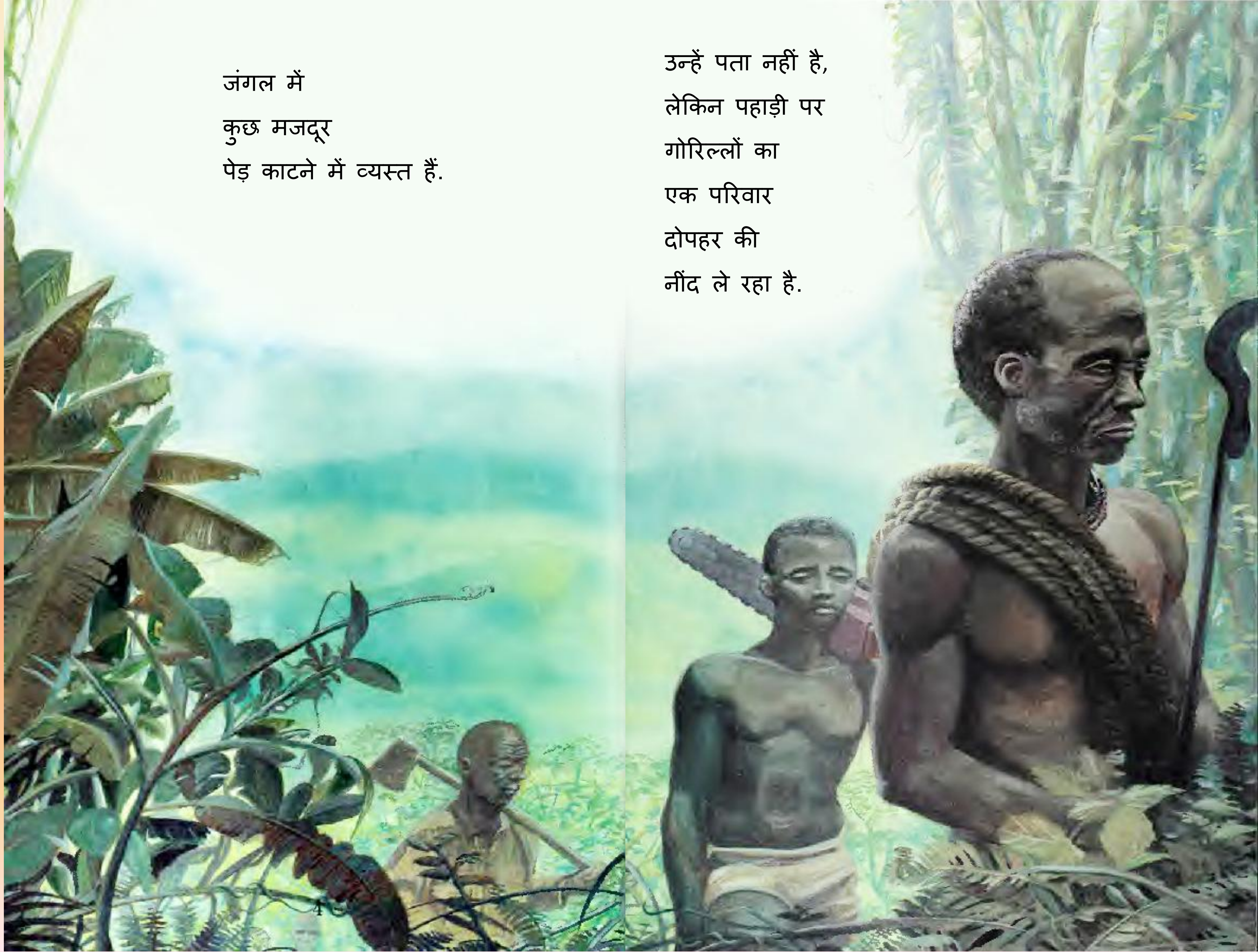
जॉयस मिल्टन

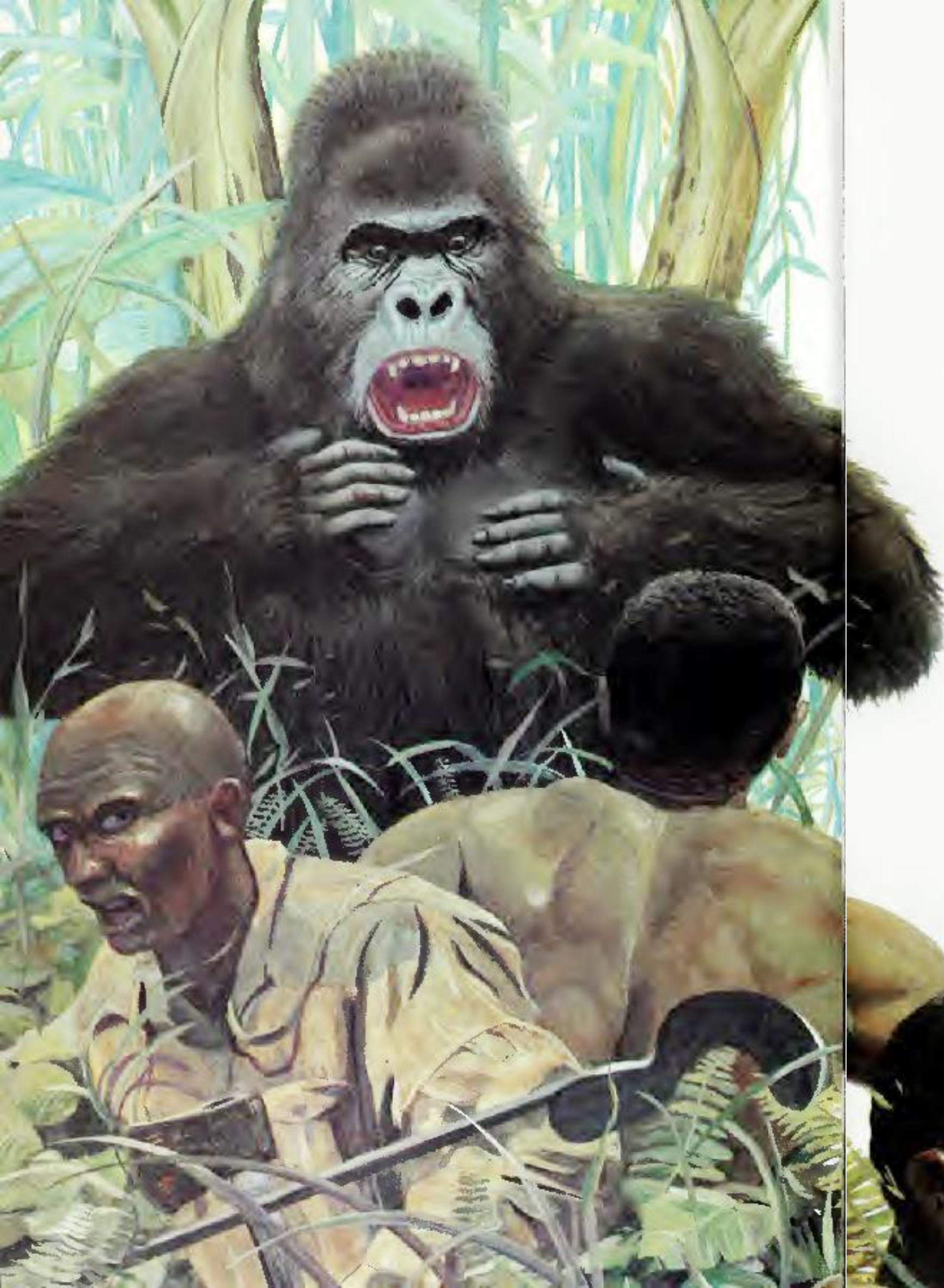
चित्र: ब्रायन बर्नार्ड



जंगल में
कुछ मजदूर
पेड़ काटने में व्यस्त हैं.

उन्हें पता नहीं है,
लेकिन पहाड़ी पर
गोरिल्लों का
एक परिवार
दोपहर की
नींद ले रहा है.





सबसे बड़ा गोरिल्ला
अपनी एक आँख खोलता है.
वह मजदूरों की चीखें सुनता है.
अचानक वह उछल पड़ता है.
वो अपनी छाती ज़ोर से पीटता है,
और ज़ोर से चीखता है—
ररRर-आहहहह!
उसकी चीख दुनिया की सबसे
डरावनी आवाज़ों में से एक है.
उसकी आवाज़ कहती है:
दूर रहो—वरना!
मजदूर अपने औज़ार
छोड़कर अपनी जान
बचाने के लिए भागते हैं!



एक नर गोरिल्ले
का वज़न 500 पाउंड हो सकता है.
यह एक वयस्क व्यक्ति से
दोगुने से भी ज़्यादा है.
गोरिल्ले, मनुष्य से कई गुना
ज़्यादा ताकतवर होते हैं!





वह अपने दांतों से
एक पेड़ की टहनी को
आधे में तोड़ सकते हैं.
उनकी बाहें लंबी और शक्तिशाली होती हैं.
जब वह अपनी बाहें चौड़ा फ़ैलाते हैं,
तो वे आठ फीट तक फैल जाती हैं.

लंबे समय तक
लोग गोरिल्लों से डरते थे.
लोग खूँखार वानरों की
कहानियाँ सुनाते थे
जो पास आने वाले किसी भी
व्यक्ति पर हमला कर देते थे.



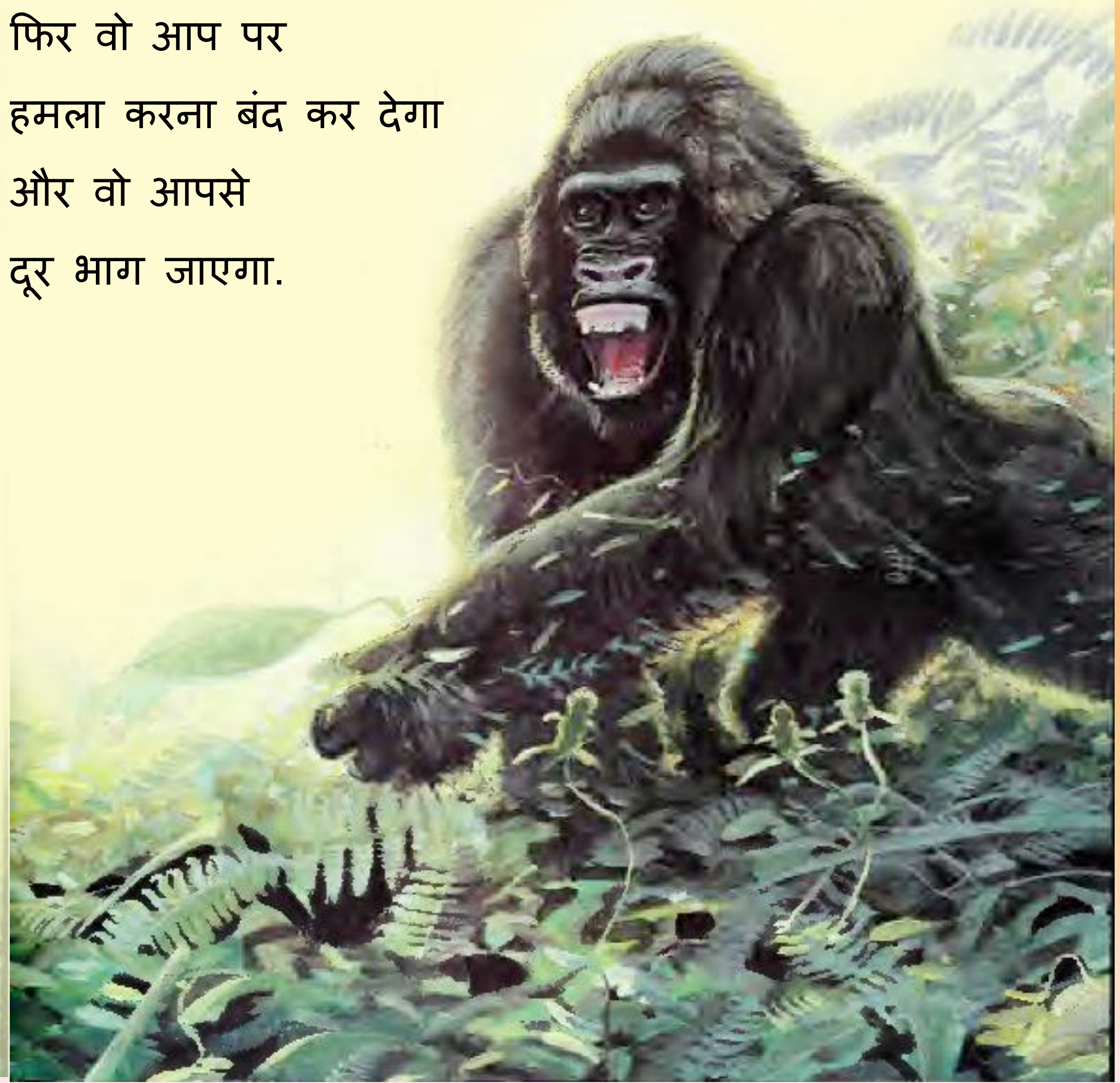
कुछ वैज्ञानिकों को
उन कहानियों की सच्चाई
पर संदेह था.
फिर उन्होंने अफ्रीकी जंगलों में
खुद जाकर देखने का फैसला किया.



शुरू में वैज्ञानिक डरे हुए थे.
लेकिन उन्होंने खुद को डरा
हुआ न दिखाना सीख लिया.
क्यों?



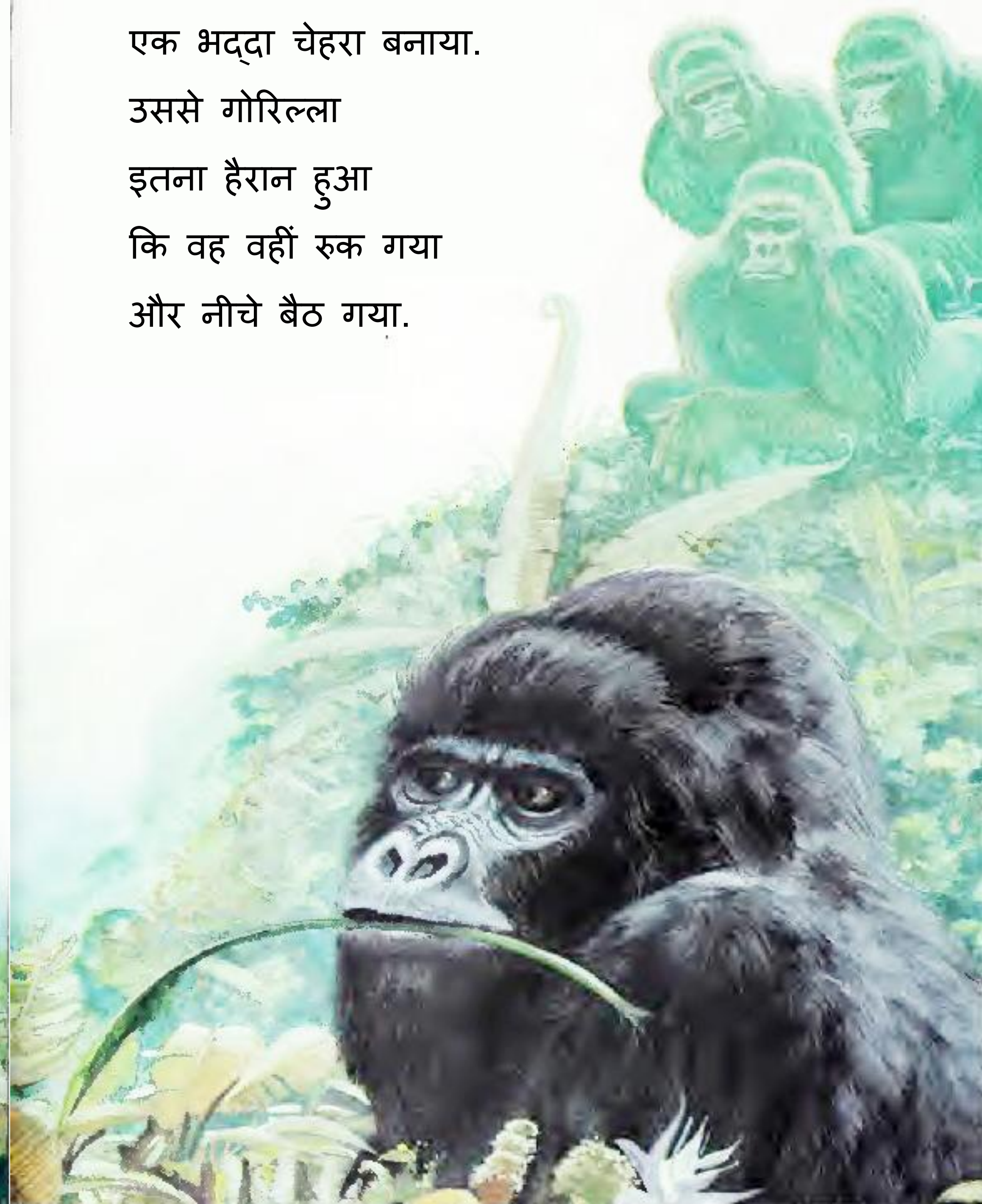
अगर आप गोरिल्ले से भागते हैं, तो
वह आपका पीछा कर सकता है
वो आपको काट सकता है.
लेकिन उसका हमला ज़्यादातर झूठा होता है.
अगर आप किसी गोरिल्ले से मिलते हैं,
तो आपको स्थिर खड़े रहें और दिखावा करें
कि आप डरे हुए नहीं हैं.
फिर वो आप पर
हमला करना बंद कर देगा
और वो आपसे
दूर भाग जाएगा.



डायन फ़ॉसी
जंगली गोरिल्लों का अध्ययन करने वाली
पहली महिलाओं में से एक थीं.
उन्होंने गोरिल्लों का भरोसा जीतने के लिए,
खुद एक गोरिल्ले की तरह
व्यवहार करने की कोशिश की.
उन्होंने खुद को खुजलाया
उन्होंने अपनी छाती थपथपाई.
वह गुर्राई और पत्ते चबाने लगी.



एक बार, जब एक गोरिल्ले ने
उन पर हमला किया,
तो डायन फ़ॉसी ने
एक भद्दा चेहरा बनाया.
उससे गोरिल्ला
इतना हैरान हुआ
कि वह वहीं रुक गया
और नीचे बैठ गया.



कुछ दिनों बाद गोरिल्ले
डायन के आदी हो गए.
एक युवा नर—
डायन उसे पीनट्स बुलाती थी—
बहुत जिज्ञासु था.
वह और करीब आता गया.
डायन ने अपना हाथ बढ़ाया
और चुपचाप लेट गई.

बहुत धीरे से
पीनट्स ने उसकी उंगलियों को छुआ.
उससे डायन इतनी उत्साहित हुई
कि वह लगभग रो पड़ी.
वह पहली इंसान थी
जिसे किसी जंगली गोरिल्ले
ने छुआ था!





गोरिल्लों को करीब से देखकर, डायन और अन्य वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि वे वास्तव में कैसे होते हैं.



गोरिल्ले
कोमल जीव होते हैं.
वे चुपचाप
समूहों में रहते हैं.
उनका नेता
एक वृद्ध नर होता है.
वैज्ञानिक उसे
सिल्वरबैक कहते हैं.
उसे यह नाम
उसकी पीठ और गर्दन पर
मौजूद चांदी जैसे भूरे बालों से
मिला है.

युवा नर गोरिल्लों को

ब्लैकबैक कहा जाता है.

समूह में वे अनुयायी होते हैं.



जब एक ब्लैकबैक

नौ या दस साल का होता है,

तो उसके बाल सफेद होने लगते हैं.

कुछ सालों में वह

सिल्वरबैक बन जाता है.

फिर वह समूह के

साथ रह सकता है

या फिर अकेले भटक सकता है.



मादा गोरिल्ले नर गोरिल्ले से,
आधी बड़ी होती हैं.
वे अपना समय अपने बच्चों की
देखभाल में बिताती हैं.
जब एक शिशु गोरिल्ला पैदा होता है,
तो उसका वज़न
चार या पाँच पाउंड होता है.
उसकी त्वचा चिकनी
और बाल रहित होती है.



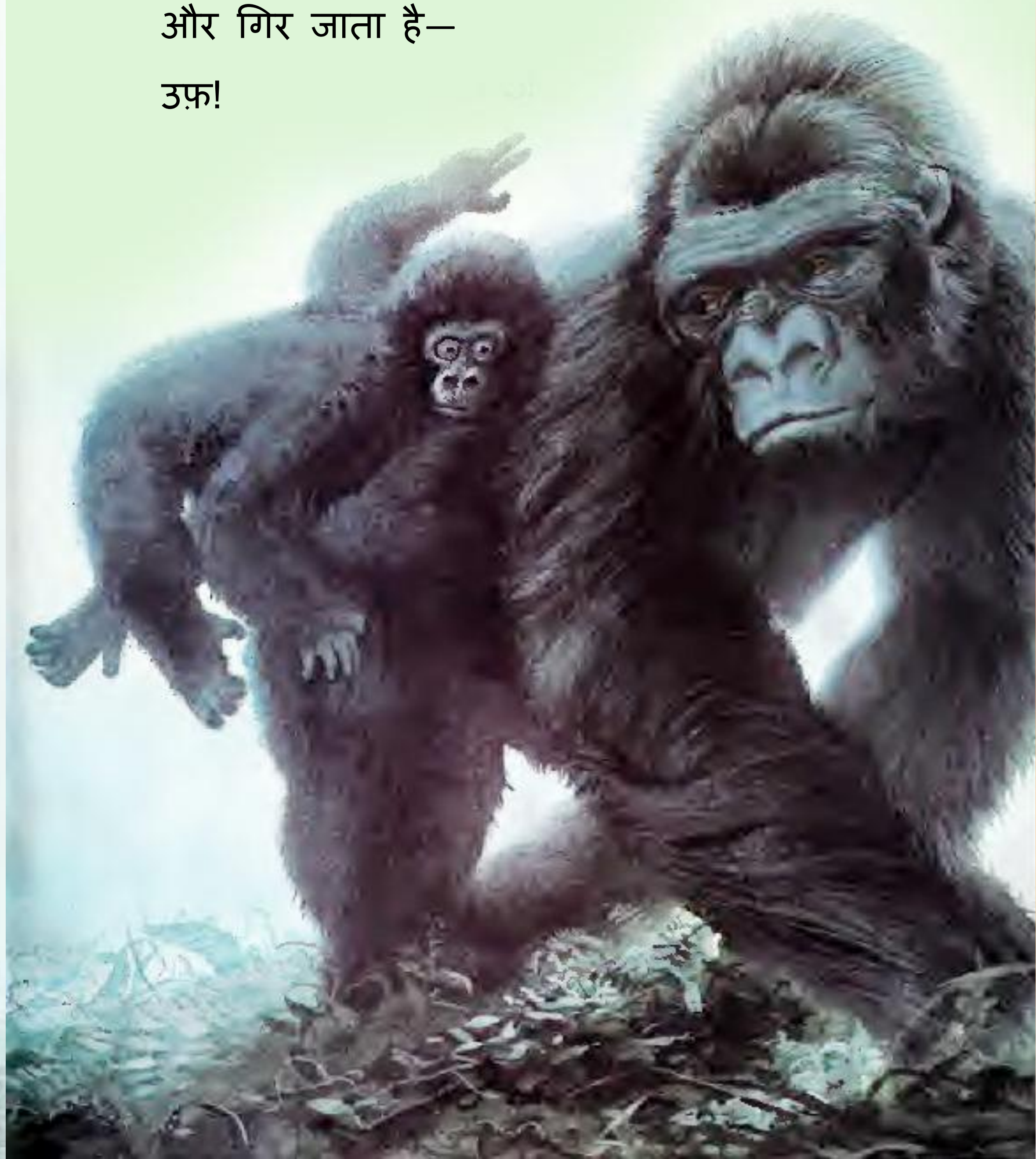


जब समूह एक जगह से
दूसरी जगह जाता है,
तो माँ अपने बच्चे को
हाथों में उठाए रहती है.

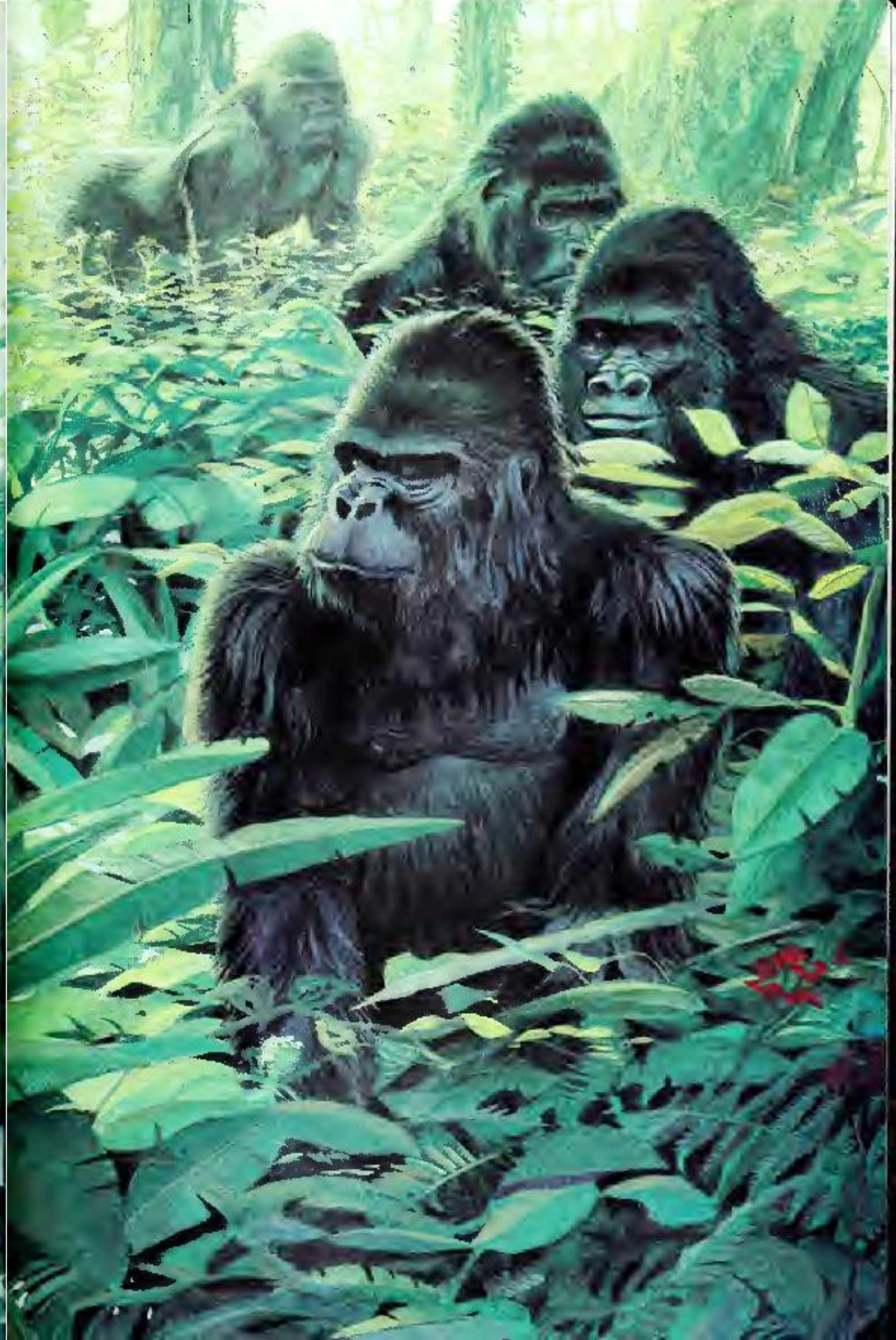
बच्चा अपनी माँ का
दूध पीता है
और मज़बूत होता है.
जब वह दो महीने का
हो जाता है,
तो वह अपनी माँ की पीठ पर
सवारी करने के लिए
तैयार हो जाता है.



बच्चा माँ के लंबे बालों को
कसकर पकड़ता है.
लेकिन कभी-कभी
वह अपनी पकड़ खो देता है
और गिर जाता है—
उफ़!



यह सिल्वरबैक
अपने समूह को जंगल में
नाश्ते की तलाश में ले जा रहा है.
सभी गोरिल्ले चारों पैरों पर
एक कतार में चलते हैं.
वे अपना वज़न
अपनी उँगलियों के
पिछ्ले हिस्से पर रखते हैं.
एक गोरिल्ला अपने पिछले पैरों
पर भी चल सकता है.
लेकिन सिर्फ़ कुछ कदम ही.



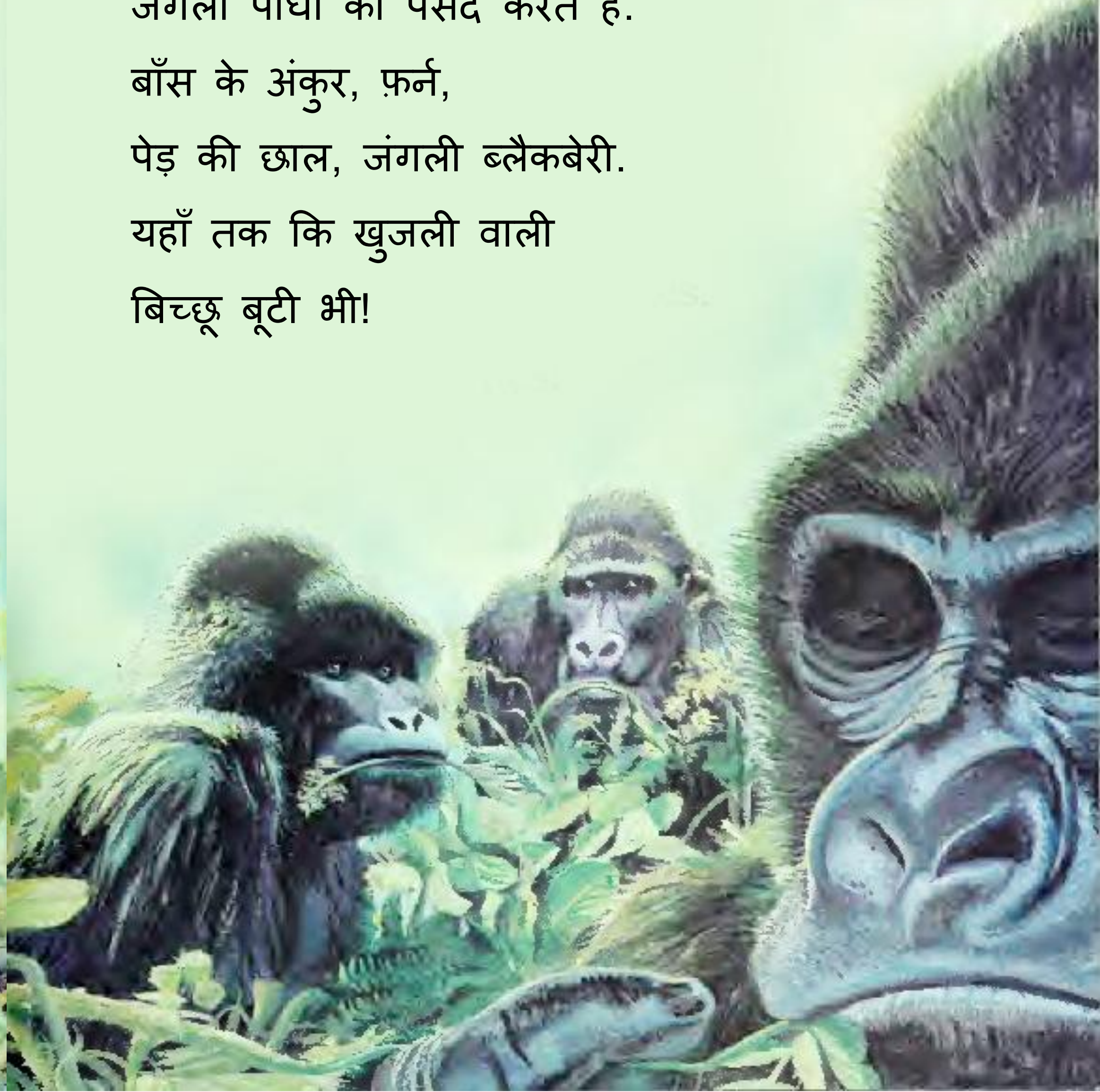
जल्द ही गोरिल्ले
जंगली सेलरी का
एक खेत ढूँढ़ लेते हैं.
जंगली सेलरी
ताज़ी और मीठी होती है.

नाश्ते में
दो या तीन घंटे लगते हैं.
फिर
सोने का समय हो जाता है.



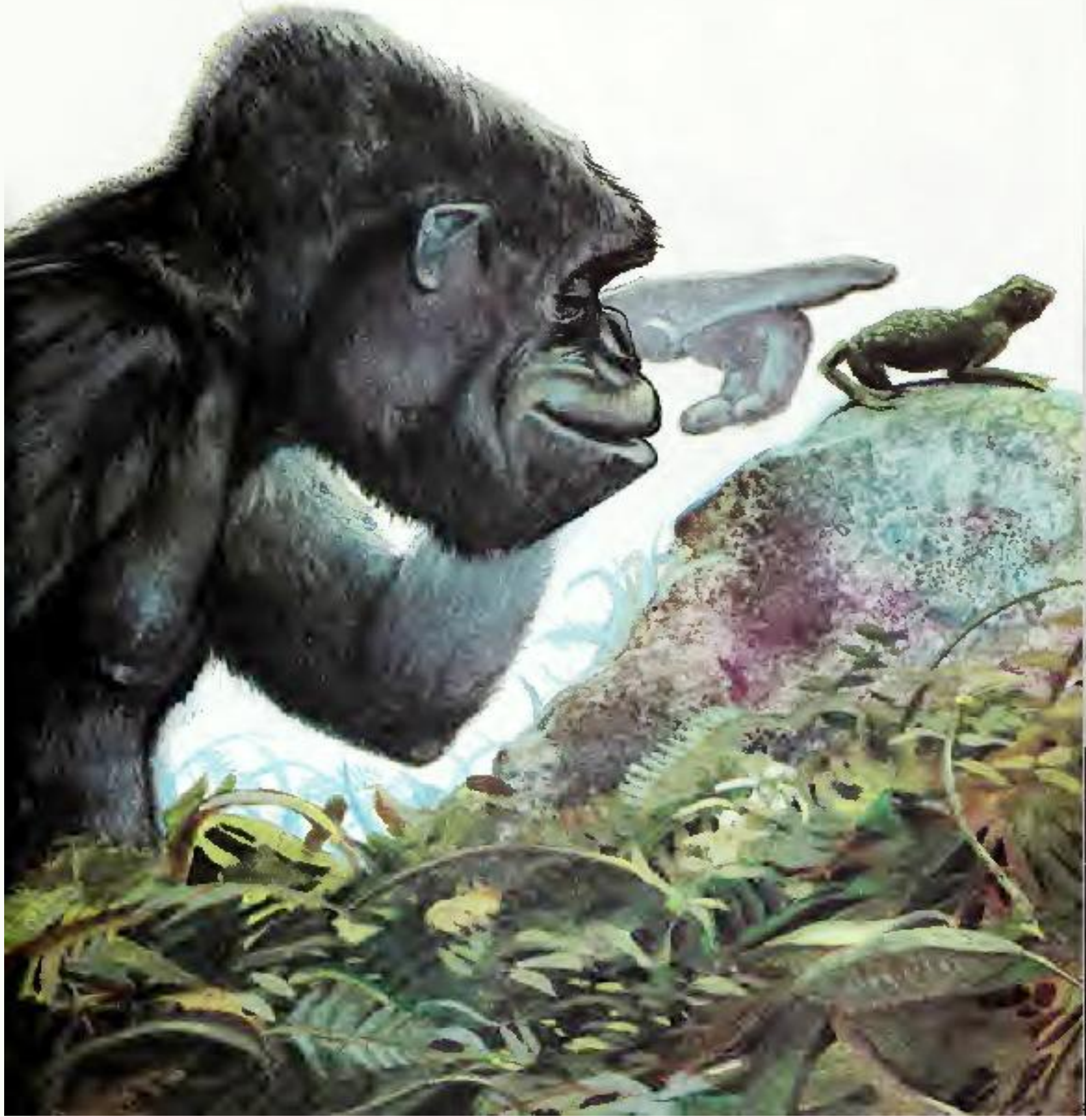
दोपहर में
गोरिल्ले
एक और बड़ा भोजन करेंगे.
वे लगभग पूरे दिन खाते रहते हैं.

गोरिल्ले कई तरह के
जंगली पौधों को पसंद करते हैं.
बाँस के अंकुर, फ़र्न,
पेड़ की छाल, जंगली ब्लैकबेरी.
यहाँ तक कि खुजली वाली
बिच्छू बूटी भी!



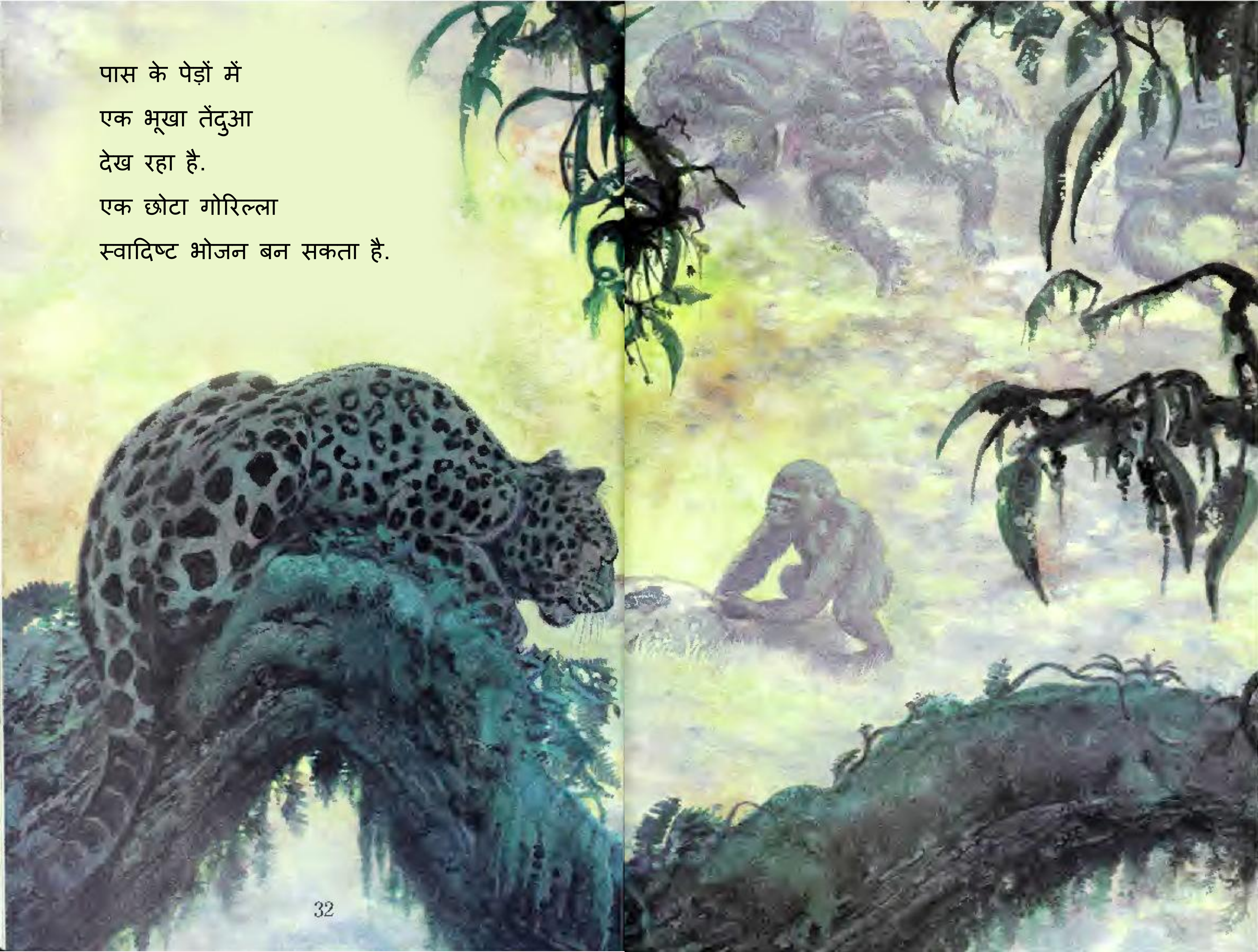


तभी एक छोटा मेंढक
उसकी नाक के ठीक नीचे
उछलता है.
वह उसका पीछा करता है.

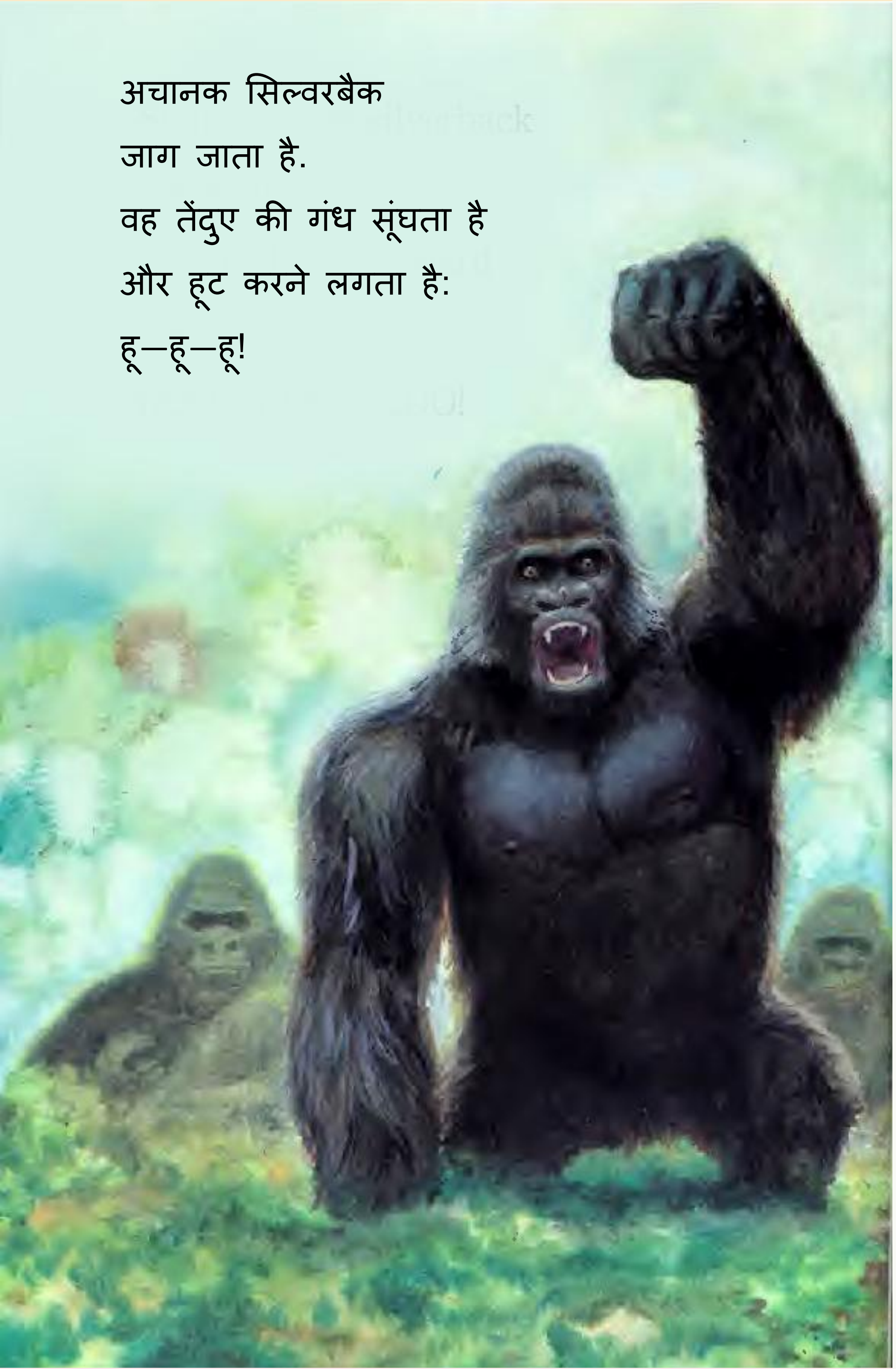


दोपहर के आसपास समूह
सोने के लिए लेट जाता है.
लेकिन एक छोटा गोरिल्ला
पूरी तरह जाग रहा है
और खेलने के लिए तैयार है.
वह मज़े के लिए
अपने सिर पर एक पत्ता रखता है.

पास के पेड़ों में
एक भूखा तेंदुआ
देख रहा है.
एक छोटा गोरिल्ला
स्वादिष्ट भोजन बन सकता है.



अचानक सिल्वरबैक
जाग जाता है.
वह तेंदुए की गंध सूंघता है
और हूट करने लगता है:
हू—हू—हू!



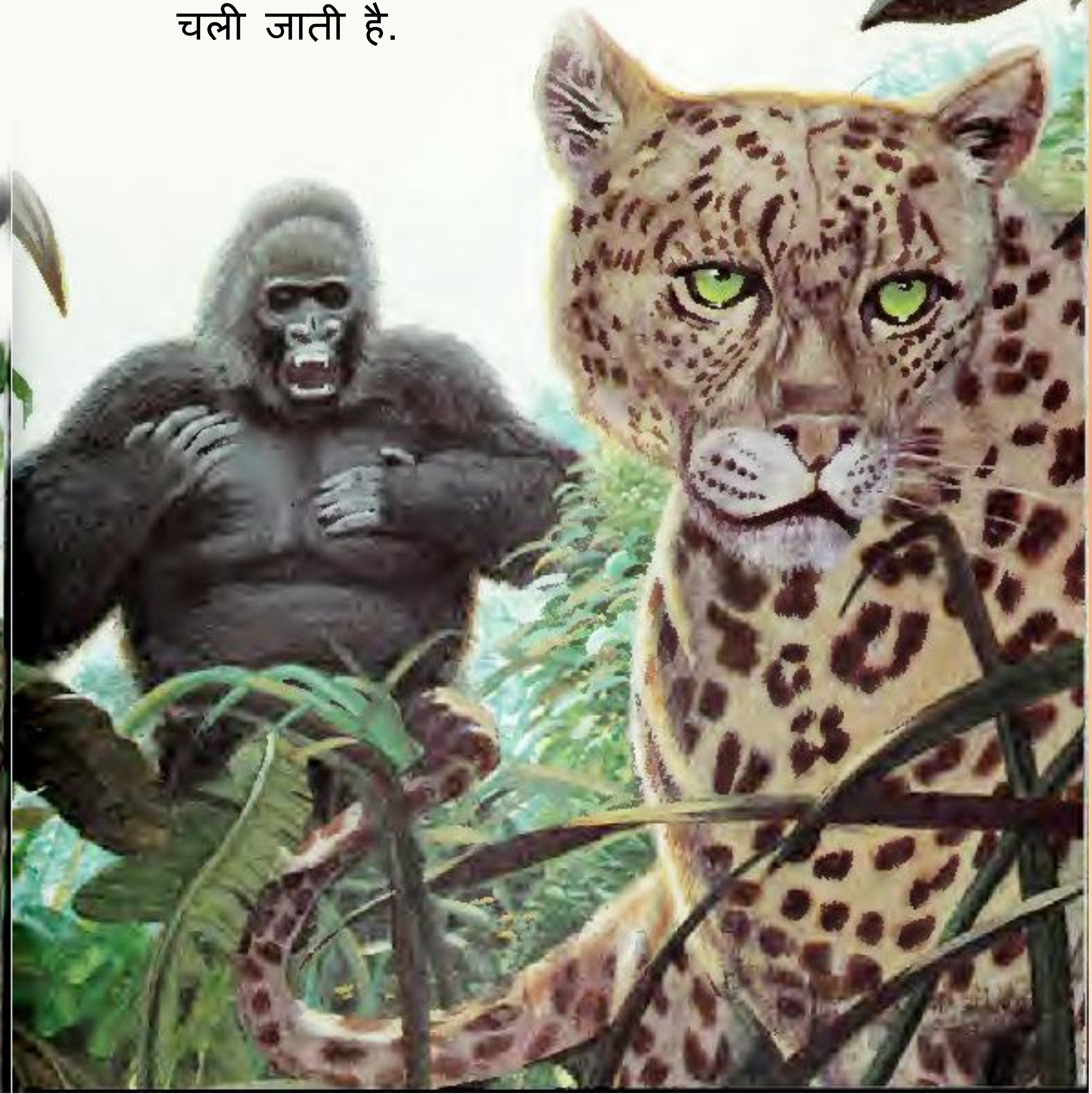


वह एक पत्ता पकड़ता है
और उसे अपने होठों
के बीच रखता है.
जब कोई गोरिल्ला ऐसा करे,
तो सावधान रहें!
इसका मतलब है
कि वह गुस्से में है!

पोक! पोक! पोक! पोक!
सिल्वरबैक
अपनी छाती पीटता है.
फिर वह मुट्ठी भर
घास नोचता है
और उसे
हवा में फेंक देता है.
वह चारों पैरों पर
बगल में दौड़ता है.
वह क्या कर रहा है?
वह अपनी ताकत
दिखा रहा है!
एक सिल्वरबैक
अपने समूह की
मौत तक रक्षा करेगा.

तेंदुआ भी
गुस्से में आए सिल्वरबैक से
कभी नहीं लड़ता है.

बड़ी बिल्ली
जंगल में चुपचाप
चली जाती है.



सूर्यास्त से ठीक पहले
सिल्वरबैक
कुछ झाड़ियाँ तोड़ता है
और उनसे अपने
चारों ओर एक ढेर बनाता है.
वह घोंसला बना रहा है!



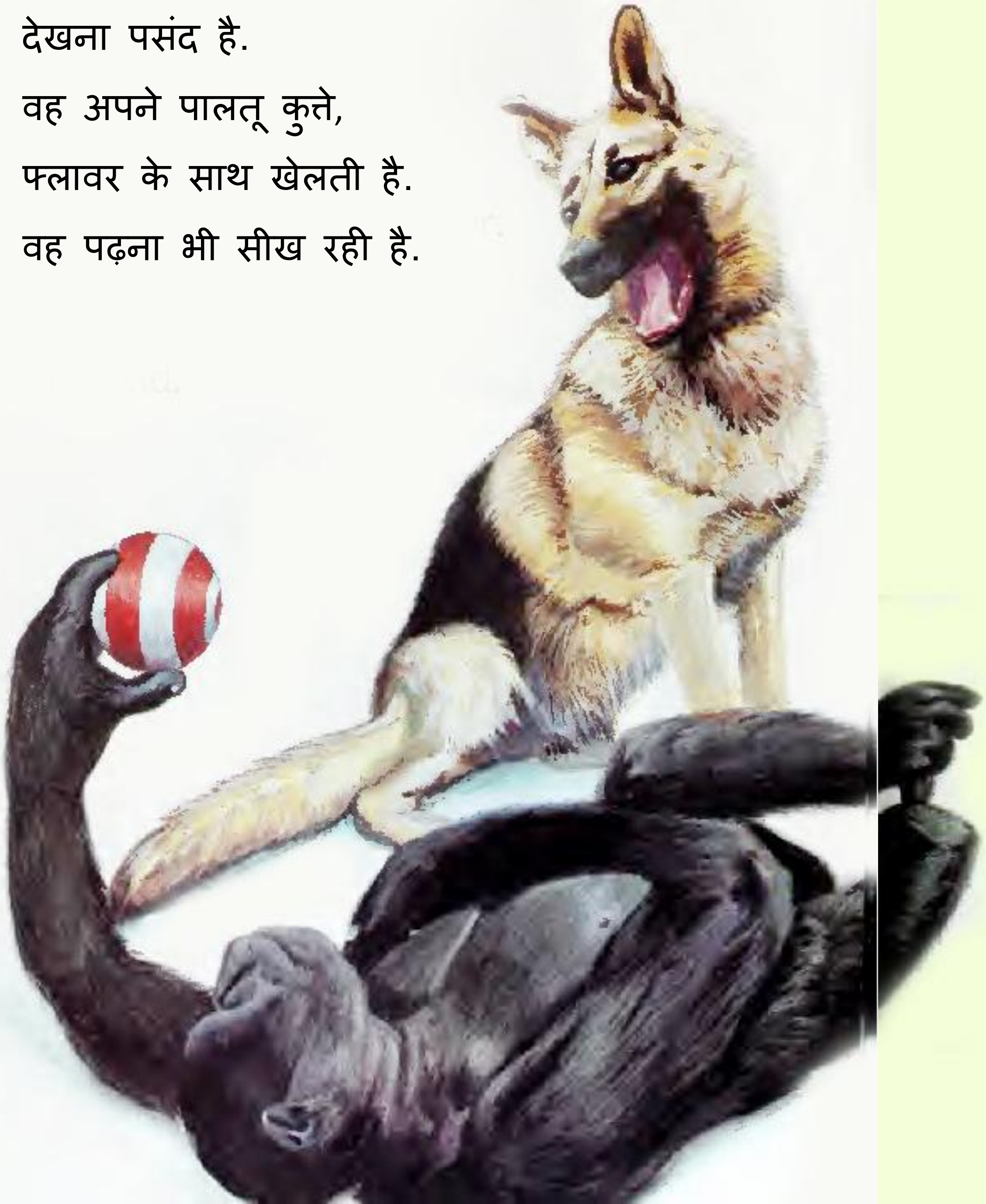
सभी गोरिल्ले
घोंसलों में सोते हैं.
हर रात युवा गोरिल्ले
किसी ऊँचे पेड़ की शाखाओं में
नए घोंसले बनाते हैं.
बड़े गोरिल्ले
पेड़ों पर चढ़ने के लिए
बहुत भारी होते हैं.
वे ज़मीन पर ही
अपना घोंसले बनाते हैं.
माताएँ अपने बच्चों को
प्यार से सहलाती हैं.



क्या गोरिल्ले बुद्धिमान होते हैं?
लंबे समय तक
ज़्यादातर वैज्ञानिक
ऐसा नहीं सोचते थे.
अब **कोको** नाम की एक गोरिल्ला
उन्हें गलत साबित कर रही है.
जब कोको बच्ची थी,
तब पेनी पैटरसन नाम
की एक वैज्ञानिक
उसकी शिक्षिका बनीं.
पेनी ने कोको को
वही सांकेतिक भाषा सिखाई
जो बहरे लोग इस्तेमाल करते हैं.
कोको ने लगभग 2,000 शब्द सीख लिए हैं.
वह नए शब्द भी बनाती है.
कोको, ब्रोकली को बदबूदार खाना कहती है.
वह मास्क को “आई हैट” कहती है.



कोको वो कई काम कर सकती है
जो कोई बच्चा कर सकता है.
उसे चित्र वाली किताबें
देखना पसंद है.
वह अपने पालतू कुत्ते,
फ्लावर के साथ खेलती है.
वह पढ़ना भी सीख रही है.



लेकिन एक चीज़ है जो
कोको नहीं कर सकती—
वह बोल नहीं सकती है.
इसलिए पेनी ने उसे
एक कंप्यूटर दिया है
जो उसके लिए बोलता है.
कोको अपने कंप्यूटर का
उपयोग कैसे करती है,
यह देखकर वैज्ञानिक यह पता लगाएंगे
कि सभी गोरिल्ले कैसे सोचते और सीखते हैं.



कोको अपने कंप्यूटर पर.

जंगली गोरिल्लों का भविष्य क्या होगा,
यह कोई नहीं जानता है .
अफ्रीकी देश जहाँ वे रहते हैं
गरीब और भीड़भाड़ वाले हैं.
वहां लोगों को खेतों
और गाँवों के लिए
ज़मीन की ज़रूरत है.

वे उन विशाल जंगलों को काट रहे हैं
जहाँ गोरिल्ले रहते हैं.
कई अफ्रीकी, गोरिल्लों को
बचाना चाहते हैं.
लेकिन उन्हें मदद की ज़रूरत है.



आज 300 से ज़्यादा गोरिल्ले
अमेरिकी चिड़ियाघरों में रहते हैं.
वे जंगली गोरिल्लों की तरह ही
संभोग करते हैं
और बच्चे पैदा करते हैं.

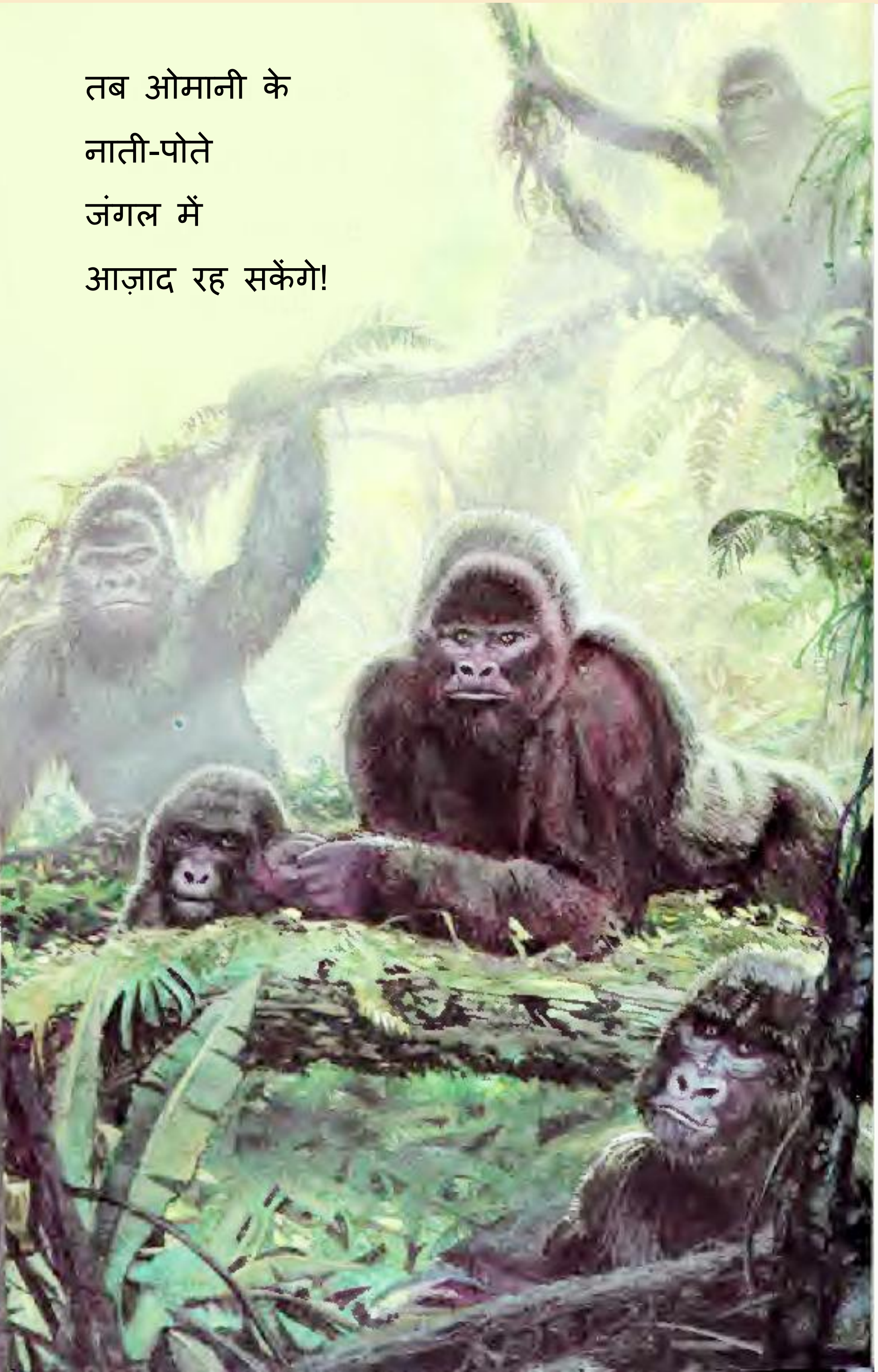


ओमानी का जन्म न्यूयॉर्क शहर के
एक चिड़ियाघर में हुआ था.
उसकी माँ का जन्म भी
एक चिड़ियाघर में हुआ था.
क्या ओमानी के पोते-पोतियाँ
चिड़ियाघरों में रहेंगे?
शायद नहीं.
शायद किसी दिन
जंगल बच जाएँगे.



ओमानी 21 महीने का.

तब ओमानी के
नाती-पोते
जंगल में
आज़ाद रह सकेंगे!



गोरिल्ले

जंगल के सौम्य दानव

अगर कोई गोरिल्ला हमला करे
तो आपको क्या करना चाहिए?
क्या आपको भागना चाहिए?
क्या आपको पेड़ पर चढ़ना चाहिए?
क्या आपको भद्दा मुँह बनाना चाहिए?

जवाब आपको हैरान कर सकते है!
इस रोमांचक और आसानी से
पढ़ी जा सकने वाली किताब में
आप गोरिल्लों के बारे में सभी तरह के
आश्चर्यजनक तथ्य जान सकते हैं!